

**न्यायालय जिला कलक्टर, श्रीगंगानगर**

**अपील भरण पोषण संख्या 02/2022**

राम निवास शर्मा पुत्र भंवर लाल जाति ब्राह्मण उम्र 34 वर्ष निवासी ओम कॉलोनी, घड़साना हाल वार्ड नं 16, श्रीविजयनगर तहसील श्रीविजयनगर, जिला श्रीगंगानगर

**बनाम**

1. रूकमणी पत्नी स्व. भंवर लाल जाति ब्राह्मण निवासी ओम कॉलोनी, घड़साना तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर
2. श्रवण पुत्र स्व. भंवरलाल जाति ब्राह्मण निवासी ओम कॉलोनी, घड़साना तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर
3. थानाधिकारी, पुलिस थाना घड़साना जिला श्रीगंगानगर



**20.07.2022**

पत्रावली पेश हुई। अपीलार्थी रामनिवास पुत्र भंवरलाल ने यह अपील भरण पोषण अधिनियम 2007 के तहत उपखण्ड मजिस्ट्रेट, घड़साना के आदेश दिनांक 02.08.2021 के विरुद्ध प्रस्तुत की है। अपीलार्थी रामनिवास इस न्यायालय में कभी उपस्थित नहीं आया। अपीलार्थी ने यह अपील जरिये अधिवक्ता प्रस्तुत की है जबकि अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम 2.007 की धारा 16(1) के तहत माता पिता द्वारा ही अपनी संतान के विरुद्ध ही इस अधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत की जा सकती है न कि संतान द्वारा इस अधिनियम के तहत संबंधित पक्षकारान को सुने जाने का प्रावधान है न कि उनके अभिभाषकगण को। चूंकि धारा 17 में पक्षकार का प्रतिनिधित्व विधि व्यवसायी द्वारा करना वर्जित है। इसलिए इस मामले में अपीलार्थी को द्वारा संतान की हैसियत से इस अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत अपील की सुनवाई करने का इस अधिकरण को क्षेत्राधिकार है अथवा नहीं? इस बिन्दु पर निस्तारण हेतु पत्रावली विचारणीय है।


**जिला मजिस्ट्रेट  
श्री गंगानगर**

अपीलार्थी रामनिवास को बार बार आवाज लगाई गई किन्तु वे उपस्थित नहीं आये।

चूंकि अपीलार्थी रामनिवास ने स्वयं यह अपील प्रस्तुत की है और सुनवाई हेतु उपस्थित नहीं आ रहा है, जिससे प्रतीत होता है कि अपीलार्थी अपनी अपील पर कोई कार्रवाई नहीं चाहता है। इसलिए अपीलार्थी की अपील अदम पैरवी व अदम हाजरी में खारिज करने योग्य है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलार्थी रामनिवास की अपील अदम पैरवी व अदम हाजरी में खारिज की जाती है। पत्रावली बाद तर्तीब तकमील दाखिल दफ्तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 20.07.2022 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(रुकमनि रियार सिहाग)  
जिला मजिस्ट्रेट  
श्री बंमानगर